1. धन्य धन्य तुझको प्रभु

हम कहते बारम्‍बार

अंधियारे जीवन में हमारे

प्रेम का दीप जलाया

2. पाप कपट सब दूर हुए

हृदय में तेज लगाया

तेरी होवे जय-जयकार। (4)

3. पर्वत तेरी शान बताते सागर प्रेम तिहारे

चांद सितारों में जा देख पाया रूप तिहारे

सब जीवन के आधार । (2)

तेरी महिमा अपरम्‍पार

4. कृपा दीनदयाल करो अब द्वार तिहारे आये

आत्‍मादान बलिदान करो

हम कब से आस लगाये। (2)

तेरी महिमा अपरम्‍पार